Unit-I (a)

Date: / /

वैदिक कालीन शिक्षा (प्राचीन शिक्षा)

प्रश्न-1 वैदिक कालिन शिक्षा सम्बन्धित है?
उत्तर- वेदो से

प्रश्न-2: वैदिक कालिन शिक्षा का मुख्य उद्देश्य था?
उत्तर: मोक्ष प्राप्त करना।

प्रश्न-3- वैदिक कालिन शिक्षा व्यवस्था में गुरु शिष्य सम्बन्ध थें?
उत्तर: पिता पुत्र जैसे थे।

प्रश्न-4- वैदिक कालिन शिक्षा का स्वरूप
उत्तर: आध्यात्मिक था।

प्रश्न5:- वैदिक कालिन शिक्षा का प्रमुख केन्द्र था?
उत्तर: तक्षशिला

प्रश्न 6:- वेद का अर्थ है?
उत्तर: ज्ञान

प्रश्न 7:- वैदिक काल में 48 वर्ष की अवस्था तक शिक्षा प्राप्त करने वाला विद्यार्थी कहा जाता था-
उत्तर: आदित्य

प्रश्न:-8- वैदिक शिक्षण संस्थाओ का स्वरूप था
उत्तर: सम्बद्धक।

प्रश्न-9:- वैदिक कालिन शिक्षा प्रणाली का मुख्य उद्देश्य क्या था?
उत्तर: नैतिकता एव चरित्र-विकास का उद्देश्य था।

Date: / /

प्रश्न 10 :- वैदिक काल में शिक्षा का माध्यम थी?

उत्तर :- संस्कृत भाषा।

प्रश्न 11 :- वैदिक काल में क्षत्रियों के उपनयन संस्कार की आयु थी?

उत्तर :- 10 वर्ष

प्रश्न 12 :- वैदिक कालीन शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण संस्कार था?

उत्तर :- उपनयन।

प्रश्न 13 :- उपनयन संस्कार किया जाता था?

उत्तर :- केवल, ब्राह्मण, क्षत्रिय, तथा वैश्य जाति के बालकों का।

प्रश्न 14 :- वैदिक शिक्षा की प्रमुख शिक्षण विधि है?

उत्तर :- प्रवचन विधि, वाद ~~विवाद~~ विवाद विधि, तथा स्वाध्याय विधि आदि।

प्रश्न 15 :- यज्ञोपवीत का निर्माण होता था?

उत्तर :- सूती, ऊनी, तथा सन के धागे से।

प्रश्न 16 :- वैदिक कालिन शिक्षा का लक्ष्य मोक्ष प्राप्त करना दिया?

उत्तर :- शंकराचार्य ने।

प्रश्न 17 :- वैदिक शिक्षा की पाठ्य-वस्तु में प्रधानता दी गई :-

उत्तर :- वेदो की शिक्षा, भौतिक विषयों की, तथा कला-कौशलों की शिक्षा।

प्रश्न 18 :- उपनयन संस्कार का अर्थ होता है?

उत्तर :- पास ले जाना।

Date: / /

प्रश्न 19:- वैदिक काल में शिक्षा सत्र प्रारम्भ होता था?

उत्तर:- श्रावण मास की पूर्णिमा को।

प्रश्न 20:- प्राचीन भारत में विद्यार्थी को वैदिक भोजन के लिए भिक्षा माँगना?

उत्तर:- एक धार्मिक कर्तव्य समझा जाता था।

प्रश्न 21:- वैदिक काल में शिक्षण का समय प्रायः रहता था?

उत्तर:- प्रातः 8-11 तथा सायं 4-6 बजे तक

प्रश्न 22:- वैदिक युग की शिक्षा अर्थव्यवस्था का भार था?

उत्तर:- दान-दक्षिणा पर

प्रश्न 24:- "प्राचीन भारतीय साहित्य को धर्म का वाहन भाव है।" किसने?

उत्तर:- मैकडानल

प्रश्न 25:- "शिक्षा को प्रकाश एवं शक्ति का स्रोत माना जाता था, जो हमारी शारीरिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक शक्तियों तथा क्षमताओं का विस्तार एवं सामंजस्यपूर्ण विकास करके हमारे स्वभाव को परिवर्तित कर उत्कृष्ट बनाती है।" ये कथन है?

उत्तर:- डा० अल्तेकर का

प्रश्न 26:- घटिका किस युग की शिक्षण संस्थान थी?

उत्तर:- वैदिक युग।

Date: / /

प्रश्न :-27 धर्म दर्शन की उच्चस्तरीय शिक्षा दी जाती थी?

उत्तर :- घटिका में।

प्रश्न 28 :- टोल में शिक्षा दी जाती थी?

उत्तर :- संस्कृत की

प्रश्न 29 :- वेद, साहित्य तथा धर्मशास्त्र पढ़ाये जाते थे?

उत्तर गुरुकुल में।

प्रश्न :-30 गुरुकुल में शिक्षा ग्रहण करने वाला छात्र कहलाता था?

उत्तर :- गुरुकुल वासी (अन्तेवासिन)

प्रश्न 31 :- प्राचीन युग में शिक्षा ग्रहण करने की अवधि में सभी छात्र एवं छात्राओं को अनिवार्य था।?

उत्तर :- ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करने की।

प्रश्न :-32 :- "वेद और ब्रह्म में लीन रहने वाला, जिसकी मुखाकृति देवत्व दर्शाने वाली हो ब्राह्मण था" यह कथन किसका है?

उत्तर :- डॉ० के० बी० बुधोरी

प्रश्न :-33 :- "छात्रों में चरित्र का निर्माण करना शिक्षा का अनिवार्य उद्देश्य था", यह विचार किसका है?

उत्तर :- डा० वेद मित्र का।

प्रश्न :- 34 :- प्राचीन काल में गुरु अपने शिष्य को विदा करते समय निम्न उपदेश देताथा?

उत्तर :- समाज सेवा का उपदेश।

प्रश्न 35 :- वैदिक समय में छात्रों को उनकी रूचि के अनुसार शिक्षा देने के कारण निम्न का निर्माण हुआ?

उत्तर :- वर्णाश्रम।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

21/8/2020